(a) whether any archaeological excavations were carried out in Vidisha district of Madhya Pradesh, during the years 1965 and 1966;

(b) what were the important articles recovered during these excavations and whether he would give a list thereof;

(c) what were the reasons for not placing these articles in the Vidisha museum;

(d) to which place these articles have been removed and under whose orders; and

(e) whether these articles would not be brought back to Vidisha?]

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० शेर सिंह) : (क) विदिशा में खुदाई 1963–64 के (नवम्बर 1963–मई 1964) और 1964–65 (जनवरी–मई, 1965) के क्षेत्र मौसम के दौरान की गई थी ।

(ख) खुदाई से ताम्र पाषाण काल (लगभग 1200 वर्ष ईसा पूर्व) से लेकर गुप्तकाल के बाद (लगभग सातवीं ई० और उसके बाद) तक के व्यावसायिक अनुक्रम का पता चला । खुदाई में मिट्टी के बर्तन तथा अन्य वस्तुएं प्रत्येक अवधि की विचित्र पाई गई । चूंकि सूची बहुत बड़ी है इसलिए उसको यहां देना संभव नहीं है ।

(ग) वस्तुओं की खुदाईकर्त्ता द्वारा जांच की जा रही है । ऐसी परम्परा हैं कि खुदाई के सम्बन्ध में जब तक रिपोर्ट पूरी नहीं हो जाती है तब तक खोदी गई वस्तुओं को संग्रहालयों में नहीं दिखाया जाता ।

(घ) कुछ वस्तुएं भोपाल में हैं और कुछ दिल्ली में । यह आम प्रथा है कि खुदाईकर्त्ता को अपने केन्द्रीय कार्यालय में वस्तुओं के अध्ययन की अनुमति दे दी जाती है ।

(ङ) जी नहीं । वस्तुओं की जांच हो जाने के बाद उनमें से अधिकतर को हमारे केन्द्रीय पुरातत्व संग्रह, दिल्ली में रखा जाएगा । किन्तु यदि आवश्यक समझा गया तो इनमें से कुछ को उनके अपने संग्रहलयों में दिखाये जाने के लिए राज्य सरकारों को दे दिया जाएगा ।

UTHE MINISTER OF STATE INT THE MINISTRY OF EDUCATION (PROF. SHER SINGH): (a) The excavation at Vidisha was carried out during the field seasons of 1963-64 (November 1963—May 1964) and 1964-65 (January—May 1965).

(b) The excavation revealed a» occupational sequence ranging from, the chalcolithic *(circa* 1200 B.C.) to-the post-Gupta period (circa 7th century A.D. and later). Pottery and other finds, typical of each period,, were found from the excavation. *As* the list is too large it is not possible to list them up here.

(c) The objects are at present under study by the excavator. It is customary that unless a report on the excavation is completed, the excavated finds are not displayed in the-museums.

(d) Some of the objects are at Bhopal, and some at Delhi. It is the normal practice that the excavator is allowed to study the objects at his headquarters.

(e) No, Sir. The objects after being reported upon will mostly be housed in our Central Antiquities Collection at Delhi. A part of these may, however| if considered necessary, be given over to the State Government for display in their museums.]

मन्दसौर टेलीफोन आफिस में लापरवाही

610. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इन्दौर से प्रकाशित होने वाले दैनिक "स्वदेश" के दिनांक

11 जुलाई, 1967 के पृष्ठ 3 पर "मन्दसौर टेलीफोन आफिस में लापरवाही" शीर्षक समाचार की ओर दलाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो उस आफिस की स्थिति में सुधार करने के लिये क्या क्या कदम उठाये गये ?

t [NEGLIGENCE IN MANDSAUR TELEPHONE OFFICE

" 610. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item entitled "Mandsaur telephone office me laparwahi" (negligence in Mandsaur telephone office) which appeared at page 3 of the daily "Swadesh", published from Indore dated the 11th July, 1967; and

(b) if so, what steps have been taken by Government to improve matters in that office?]

संसद्-कार्य तथा संचार विभागों में राज्य मंत्री (श्री आई० के० गुजराल) : (क) जी हां।

(ख) पोस्ट मास्टर जनरल, भोपाल की रिपोर्ट यह है कि काल उनके बुक होने की प्राथमिकता के अनुसार मिलाए जाते हैं और यह आरोप कि सट्टेवालों के साथ पक्षपात किया जाता है ठीक नहीं है। समाचार पत्र के संवाददाता द्वारा 5 व 6 जुलाई को बुक कराये गये काल उस समय इस कारण से नहीं मिलाये जा सके चूंकि या तो लाइन पर शोर हो रहा था या वह खराब थी। इंदौर को काल मिलाने में देरी इस कारण से होती है क्योंकि वहां के लिये केवल एक परिपथ ही उपलब्ध है और परिपथों की संख्या बढ़ाने के प्रश्न पर पहले से ही कार्रवाई की जा रही है।

ttTHE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND COMMUNICATIONS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) Yes, Sir.

(b) The report from the Postmaster-General, Bhopal is that the calls are being, put through according to the priority in booking and the allegation that the speculators are being favoured is not correct. The calls booked by the press correspondent on the 5th and 6th July could not be put through at the particular time due to the line being either noisy or out of order. The delay in putting through calls to Indore is due to the availability of only one outlet and the question of increasing the number of outlets has already been taken up.]

उपद्रवी नागाओं द्वारा मारे गये व्यक्ति

611. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जनवरी, 1967 से 21 जुलाई, 1967 तक उपद्रवी नागाओं द्वारा कितने व्यक्ति (i) मारे गये, और (ii) अपहृत किये गये;

(ख) उन के द्वारा कितनी सम्पत्ति नष्ट की गई; और

(ग) कितने उपद्रवी नागाओं को गिरफ्तार किया गया और उन से कौन-कौन से शस्त्रास्त्र जब्त किये गये ?

t [PERSONS KILLED BY HOSTILE NAGAS

611. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of persons (i) killed; and (ii) abducted by the hostile Nagas between the period from 1st January, 1967 to the 21st July, 1967;